BABA MASTNATH UNIVERSITY

UNIQUE BLEND OF ACADEMICS AND SPIRITUALITY | www.bmu.ac.in
(RECOGNISED BY UGC) ROHTAK, DELHI -NCR

Internal Quality Assurance Cell

Format No. IQAC-001

EVENT APPROVAL FORM

Academic Session: 2024

Proposed Event:	1. Seminar 2. Conference 3. Workshop 4. Training 5. Short Term Course 7. Special/Extension Lecture 8. Sports, Cultural, Cocurricular 9........		
Faculty/Cell Name:	FOH & LE in Collaboration of Guru Foundation RTK		
Department/ Committee Name:	Education & Hindi		
Topic:	"वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में"		
Duration: (in days)	02	Proposed Mode (Online, Offline, Hybrid) Date & Time:	09 & 10 Jan, 2025
Proposed Fee (Rs.) (If any)	Amount in figure and words		
Speaker's / Guest(s) Profile:	Lates list will be supplied.		
Convener:	Dr. Aruna Anchal		
Co-Convener / Organizing Secretary (if any):	Dr. Suman Rathi (Hindi) & Dr. Sushila Sharma (Edu.)		

Aruna Anchal
Convener/Secretary
(Signature with Full Name)

[signature] 18.11.24
Dean
Faculty of Education
Baba Mastnath University, Rohtak
Dean/Chairperson/HoD/Incharge
(Signature with Full Name)

Registrar Manjita 18/11/24

Dean, Academic Affairs

Vice-Chancellor Approved. [signature] 18.11.2024

Final Approval Status: 1. Approved 2. Not Approved 3. Reversed for Corrections

GURU VIDYAPEETH, ROHTAK

(Autonomous International Council of Education, Training and Research established By Guru Foundation, Rohtak)
Regd. Office: 1244/1, Shastri Nagar, Rohtak - 124001
Mob. No. 9996571500 // Email: gvp.rtk@gmail.com

पत्रांक: 2024/Sept/152

दिनांक: 30 सितंबर 2024

सेवा में,

आदरणीय कुलसचिव महोदय जी,
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय,
अस्थल बोहर (रोहतक)

विषय : 09-10 जनवरी 2025 को आपके संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने बारे में।

महोदय जी,

गुरु विद्यापीठ, रोहतक (हरियाणा) आपके संयुक्त तत्वावधान में 09-10 जनवरी 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना चाहती है। विद्यापीठ "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में" विषय पर हाइब्रिड मोड में यह संगोष्ठी आयोजित करना चाहती है। 09 जनवरी को ऑफलाइन सत्र रहेंगे और 10 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संगोष्ठी का ऑनलाइन सत्र होगा।

महोदय जी, इस संगोष्ठी से जुड़ी वित्तीय लाभ व हानि पूर्णत: विद्यापीठ की रहेगी। संगोष्ठी के प्रमाण पत्रों पर दोनों संस्थाओं के नाम, प्रतीक चिह्न तथा दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों के डिजिटल हस्ताक्षर होंगे। प्रतिभागियों के प्रमाण पत्र, दोपहर के भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी विद्यापीठ की होगी। यदि संगोष्ठी में आप अपने वक्ताओं को बुलाएंगे तो उनका मानदेय आप देंगे तथा विद्यापीठ द्वारा बुलाए गए सभी वक्ताओं का मानदेय विद्यापीठ देगी। सांस्कृतिक दल का मानदेय, भोजन की व्यवस्था विद्यापीठ द्वारा ही की जाएगी।

महोदय जी, हमारे आग्रह को स्वीकृत करते हुए हमें संगोष्ठी के लिए सेमीनार हॉल निःशुल्क प्रदान करें तथा स्वीकृति पत्र जल्द से जल्द भेजने का कष्ट करें। इसके लिए विद्यापीठ आपकी सदैव आभारी रहेगी।

धन्यवाद सहित।

Permission granted to organise this activity in collaboration with Faculty of Humanities and Liberal Education. Dean of the Faculty to coordinate.

Registrar 14/11/24

Dean Humanities to do needful. 14.11.2024

डॉ. विकास शर्मा
निदेशक, गुरु विद्यापीठ
9996737200

Scanned with OKEN Scanner

सेमिनार विशेषांक के लिए आलेख लिखने के लिए उप विषय

भारतीय भाषा, हिंदी, शिक्षा और संस्कृति जैसे व्यापक विषयों के अंतर्गत कई उप-विषय आते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख उप-विषय निम्नलिखित हैं:

1. *भारतीय भाषाएँ*
   - भाषाई विविधता और क्षेत्रीय भाषाएँ
   - हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन
   - भारतीय संविधान में भाषाओं का स्थान
   - भारतीय भाषाओं का वैश्विक प्रसार
   - भाषा और तकनीकी विकास (AI, अनुवाद सॉफ्टवेयर आदि)
2. *हिंदी भाषा*
   - हिंदी का इतिहास और विकास
   - हिंदी साहित्य का स्वरूप (कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि)
   - हिंदी पत्रकारिता और मीडिया
   - आधुनिक हिंदी लेखन और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
   - हिंदी और अंग्रेज़ी का सह-अस्तित्व
3. *शिक्षा*
   - भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास
   - मातृभाषा में शिक्षा का महत्व
   - नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 और भाषाई शिक्षा
   - प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली (गुरुकुल, नालंदा, तक्षशिला)
   - आधुनिक शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग
4. *संस्कृति*
   - भारतीय संस्कृति में भाषा का स्थान
   - लोक साहित्य और लोककला
   - भारतीय त्योहारों और परंपराओं में भाषा का योगदान
   - हिंदी फिल्मों और नाटक में सांस्कृतिक अभिव्यक्ति
   - भारतीय संस्कृति के वैश्विक आयाम
5. *भाषा, शिक्षा और संस्कृति का अंतर्संबंध*
   - शिक्षा और भाषा का सांस्कृतिक प्रभाव
   - भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन में शिक्षा की भूमिका
   - सांस्कृतिक विविधता और एकता में भाषा का योगदान
   - वैश्वीकरण के युग में भारतीय भाषाओं की स्थिति

इन उप-विषयों पर गहराई से अध्ययन कर भारतीय भाषा, हिंदी, शिक्षा और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को समझा जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

शोधालेख भेजते समय नियमों का पालन अवश्य करें क्योंकि हमारे नियमों के अनुसार पेपर नहीं मिलने पर उसका प्रकाशन नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार की कमी, गलती, त्रुटि के लिए आप स्वंय जिम्मेदार होंगे।

गलत ईमेल पर भेजने पर आप स्वंय जिम्मेदार होंगे।

आप अपना पेपर नियमानुसार 07 जनवरी तक s.sharma0180@gmail.com ईमेल पर भेज सकते हैं।

आलेख सम्बंधित विवरण:

1. सभी पंजीकृत सदस्यों के शोध आलेखों का प्रकाशन पियर रिव्यूड अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "बोहल शोध मंजूषा" ISSN 2395-7115, Impact Factor 7.532 में किया जाएगा, जिसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। शोध पत्रिका की केवल सॉफ्ट कॉपी/पीडीएफ उपलब्ध करवाई जाएगी।

2. शोध आलेख में एक से अधिक लेखक होने पर सभी लेखकों का पंजीकरण अनिवार्य है तथा शोधालेख केवल 1 ही प्रकाशित होगा।

3. आलेख केवल वर्ड फ़ाइल में ही मान्य होगा। पीडीएफ, हस्तलिखित, स्कैन, लिंक या अन्य रूप में स्वीकृत नहीं होगा। आलेख केवल ईमेल पर ही मान्य होगा। व्हाट्सएप पर भेजे गए आलेखों का प्रकाशन नहीं होगा।

4. आलेख को प्रूफ रीडिंग के बाद ही भेजें, बाद में आलेख प्रकाशन के दौरान गलतियां सुधारी नहीं जाएंगी।

5. आप किसी भी भाषा में अपना आलेख भेज सकते हैं। हिंदी व अंग्रेजी भाषा के अलावा अन्य भाषा में आलेख वर्ड फ़ाइल और पीडीएफ दोनों में भेजना होगा।

6. शोधलेख हिंदी के कृति देव 010, यूनीकोड, मंगल फ़ॉन्ट, साइज 14 तथा अंग्रेजी के Times Roman फॉन्ट, साइज 14 में ही भेजें।

शोधालेख की अधिकतम शब्द सीमा 2300 है। यदि आपके शोध आलेख में चार्ट, टेबल अथवा फ़ोटो हैं तो आपका शोधालेख 07 से अधिक पेजों का ना हो। शब्द सीमा का ध्यान अवश्य रखें।

7. शोधालेख में शीर्षक के बाद अपना पूरा नाम, पद, संस्थान का नाम लिखें तथा शोधालेख के अंत में सन्दर्भ सूची अवश्य लिखें।

जिनके पेपर नियमानुसार मिलेंगे, उन विद्वतजन की सूची 12 जनवरी को डाली जाएगी।

Scanned with OKEN Scanner

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

विषय : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में

दिनाँक : 09-10 जनवरी 2025

स्थान : मिनी ऑडिटोरियम, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक

महंत बालकनाथ योगी — कुलाधिपति, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
पदमश्री डॉ. महावीर गुड्डू — अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाकार
प्रो० एच. एल. वर्मा — कुलपति, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
डॉ० विनोद कुमार — कुलसचिव, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
डॉ. सुलक्षणा अहलावत — ब्रांड एम्बेसडर, गुरु विद्यापीठ
डॉ. विकास — निदेशक, गुरु विद्यापीठ
डॉ. नरेश सिहाग — संपादक
प्रो०(डॉ.) अरूपा अंचल — विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
डॉ० सुमन राठी — सहआचार्य हिन्दी, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय
डॉ० सुशीला शर्मा — सहआचार्य शिक्षा शास्त्र, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय

आयोजक : गुरु विद्यापीठ रोहतक एवं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय विद्यालय, रोहतक

Scanned with OKEN Scanner

NATIONAL SEMINAR

on

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में

Certificate No. : BMU-GVP/2025-JI

(09-10 January 2025) (Hybrid Mode)

CERTIFICATE

This is certify that Sh./Smt./Km./Dr./Prof. .....

Assistant Professor/Associate Professor/Professor/Research Scholar/Teacher/Student from .....

participated/presented a paper entitled.....

.....

.....in the 02 days National Seminar from 09/01/2025 to 10/01/2025 on " ***वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में*** " organized by **Guru Vidyapeeth, Rohtak and Baba Mastnath University, Rohtak at University Campus.**

Prof. H.L. Verma	Mr. Anil Kumar	Dr. Vikas Sharma	Dr. B.M. Yadav	Dr. Sushila Sharma	Dr. Suman Rathi
Vice Chancellor	Founder	Director	Dean, FOHLE	Associate Professor	Associate Professor (Hindi)
Baba Mastnath University	Guru Vidyapeeth	Guru Vidyapeeth	Baba Mastnath University	Co-Convenor	Co-Convenor

Scanned with OKEN Scanner

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Rohtak Rohtak 11.01.2025 - 11 Jan 2025 - Page 4

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम

हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▸▸। रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति कल, आज और कल के संदर्भ में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के दौरान हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व पर गहन चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों और विद्वानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ) एचएल वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा की वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों की प्रस्तुतियों ने न केवल भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया बल्कि उसकी विविधता और समृद्धि को भी उजागर किया। हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक की प्रस्तुति सुमित जांगड़ा ने दी। इस आयोजन ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके उज्जवल भविष्य की संभावनाओं पर बल दिया।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हरियाणवी कलाकार और आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्रों के साथ कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा। फोटो : हरिभूमि

वैश्विक संदर्भ में बदलती भूमिका पर विचार रखे

इस संगोष्ठी में वक्ताओं और विशेषज्ञों ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति की वैश्विक संदर्भ में बदलती भूमिका पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में सीबीएलयू विव से डॉ. सुशीला, टांटिया विवि से डॉ. नरेश सिहाग, डॉ. मधु, डॉ. विश्वबंधु ने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुणा आंचल और डॉ. सुमन राठी ने किया। इस अवसर पर डॉ. विकास शर्मा, डॉ. यशपाल, डॉ. बाबूराम, डॉ. बबीता, डॉ. निशा, डॉ. शीतल, डॉ. जगदीश भारद्वाज, मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएस यादव, डॉ. रेखा सोनी, डॉ. रजनी, डॉ. संतोष उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

बीएमयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम

'हिंदी' हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग : प्रो. वर्मा

रोहतक, 10 जनवरी (पू.सं.)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति : कल, आज और कल के संदर्भ में' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो अरुणा अंचल ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डॉ) एच.एल. वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। हमें अपने अतीत को समझते हुए वर्तमान में इसके महत्व को पहचानने और इसे भविष्य में और सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा की वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इन शोध-पत्रों में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, और इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उपायों पर चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों की प्रस्तुतियों ने न केवल भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया, बल्कि उसकी विविधता और समृद्धि को भी उजागर किया।

हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक सुमित जांगड़ा ने दी। कार्यक्रम के समापन सत्र में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर बल दिया।

कार्यक्रम का आयोजन और संचालन विश्वविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में वक्ताओं और विशेषज्ञों ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति की वैश्विक संदर्भ में बदलती भूमिका पर विचार साझा किए। अंत में मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बी. एम. यादव ने धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में सी.बी.एल.यू. विश्वविद्यालय की डॉ. सुशीला, टांटिया विश्वविद्यालय के डॉ. नरेश सिहाग, डॉ. मधु और अध्यक्षता करने वाले डॉ. विश्वबंधु ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में राजस्थान की डॉ. रेखा सोनी, डॉ. रजनी और डॉ. संकेत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुणा अंचल और डॉ. सुमन राठी ने कि

संगोष्ठी वे 8 / 12

और भारतीय

गहन चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों और विद्वानों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. विकास शर्मा, डॉ. यशपाल, डॉ. बाबूराम, डॉ.बबीता, डॉ. निशा, डॉ. शीतल, डॉ. जगदीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

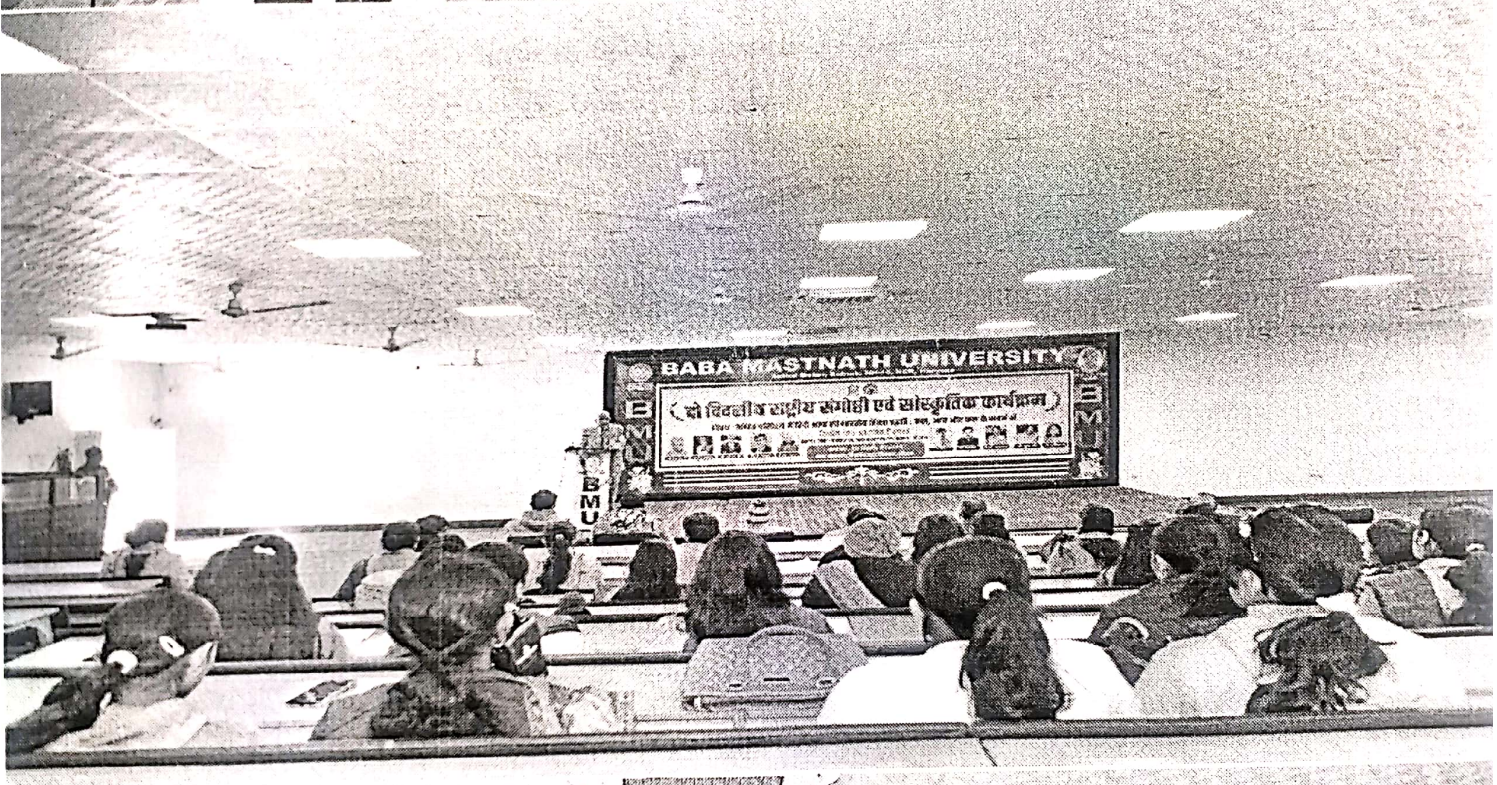

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

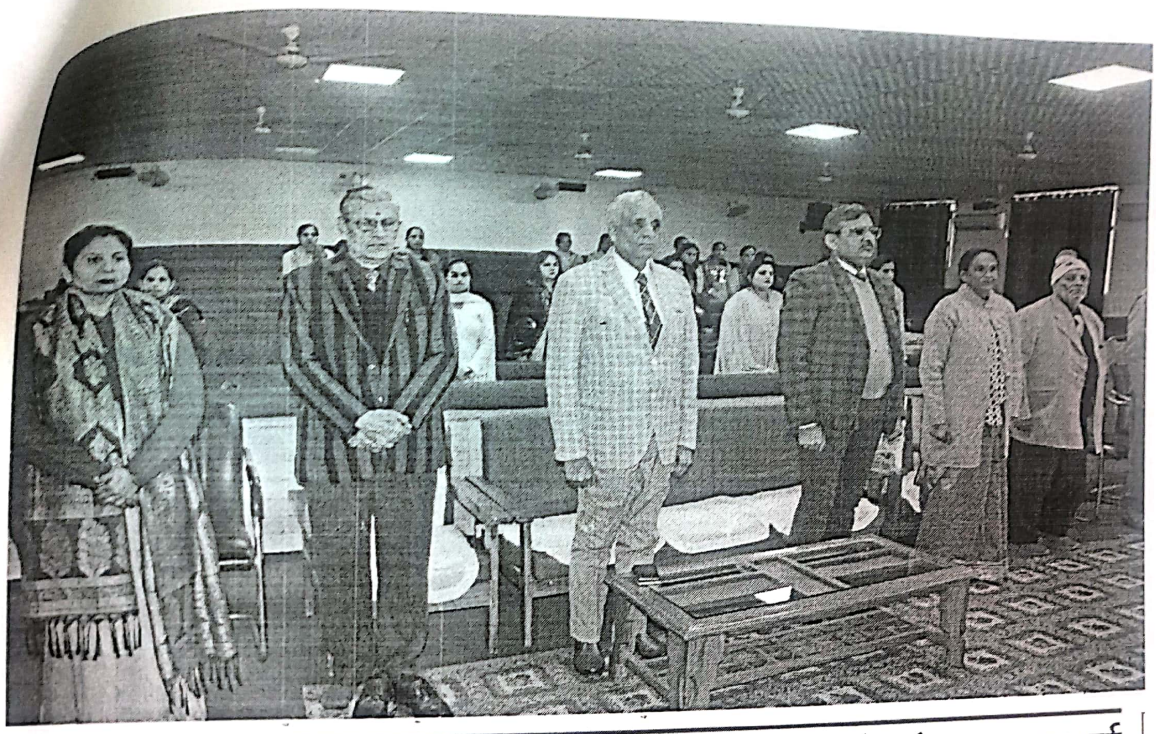

हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग है : प्रो . एचएल वर्मा

रोहतक के बीएमयू में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए कलाकार। जागरण

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्रों के साथ कुलपति प्रो. एचएल वर्मा। • जागरण

जागरण संवाददाता • रोहतक : बीएमयू (बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय) में विश्व हिन्दी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति के विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अरुणा आंचल ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर एच.एल. वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। हमें अपने अतीत को समझते हुए वर्तमान में इसके महत्व को पहचानने और इसे भविष्य में और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा को वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक सुमित जांगड़ा ने दी। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीएम यादव ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सीबीएलयू विश्वविद्यालय की डा. सुशीला, टांटिया विश्वविद्यालय के डा. नरेश सिहाग, डा. मधु और अध्यक्षता करने वाले डा. विश्वबंधु ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में राजस्थान की डा. रेखा सोनी, डा. रजनी और डा. संकेत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अवसर पर डा. विकास शर्मा, डा. वसपाल, डा. बाबूराम, डा. बबीता, डा. निशा, डा. शीतल, डा. जगदीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

****

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

- हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है : कुलपति प्रो. एचएल वर्मा

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए हरियाणवी कलाकार व उपस्थित शिक्षाविद, शोधार्थी और छात्रों के साथ कुलपति प्रो. एच.एल. वर्मा।

आज समाज नेटवर्क

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति: कल, आज और कल के संदर्भ में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अरुणा आंचल ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डा.) एच.एल. वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। हमें अपने अतीत को समझते हुए वर्तमान में इसके महत्व को पहचानने और इसे भविष्य में और सशक्त बनाने की आवश्यकता है। कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा को वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इन शोध-पत्रों में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, और इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उपायों पर चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छात्रों की प्रस्तुतियों ने न केवल भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया बल्कि उसकी विविधता और समृद्धि को भी उजागर किया। हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक सुमित जांगड़ा ने दी। कार्यक्रम के समापन सत्र में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर बल दिया। कार्यक्रम का आयोजन और संचालन विश्वविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में वक्ताओं और विशेषज्ञों ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति की वैश्विक संदर्भ में बदलती भूमिका पर विचार साझा किए। अंत में मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बी. एम. यादव जी ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सी.बी.एल.यू. विश्वविद्यालय की डॉ. सुशीला, टाँटिया विश्वविद्यालय के डॉ. नरेश सिहाग, डॉ. मधु और अध्यक्षता करने वाले डॉ. विश्वबंधु ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में राजस्थान की डॉ. रेखा सोनी, डॉ. रजनी और डॉ. संकेत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुणा आंचल और डॉ. सुमन षष्ठी ने किया। संगोष्ठी के पहले दिन में हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व पर गहन चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों और विद्वानों ने भाग लिया। अवसर पर डॉ. विकास शर्मा, डॉ. वसपाल, डॉ. बाबूराम, डॉ.बबीता, डॉ. निशा, डॉ. शीतल, डॉ. जगदीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग है हिंदी

रोहतक वि। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धतिः कल, आज और कल के संदर्भ में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो अरूणा अंचल ने किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डा) एचएल वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। हमें अपने अतीत को समझते हुए वर्तमान में इसके महत्व को पहचानने और इसे भविष्य में और सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार। स्रोत : विवि

कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा को वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इन शोध-पत्रों में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, और इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उपायों पर चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक भास्कर रोहतक भास्कर 11-01-2025

बीएमयू में हिन्दी दिवस को लेकर हुए कार्यक्रम

हिन्दी भाषा वैश्विक महत्व पर विचार करने का देती है एक सशक्त मंच

भास्कर न्यूज | रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति कल, आज और कल के संदर्भ में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. डॉ. एचएल वर्मा ने किया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अरूणा अंचल ने किया। संगोष्ठी में राजस्थान की डॉ. रेखा सोनी, डॉ. रजनी और डॉ. संकेत विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इन शोध-पत्रों में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उपायों पर चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक सुमित जांगड़ा ने दी। इस अवसर पर प्रो. बीएम यादव, डॉ. सुशीला, टांटिया विश्वविद्यालय से डॉ. नरेश सिहाग, डॉ. मधु, डॉ. विश्वबंधु, प्रो. अरुणा आंचल, डॉ. सुमन राठी, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. यशपाल, डॉ. बाबुराम, डॉ.बबीता, डॉ.निशा, डॉ. शीतल, डॉ. जगदीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

बीएमयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान मौजूद लोग।

Scanned with OKEN Scanner

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

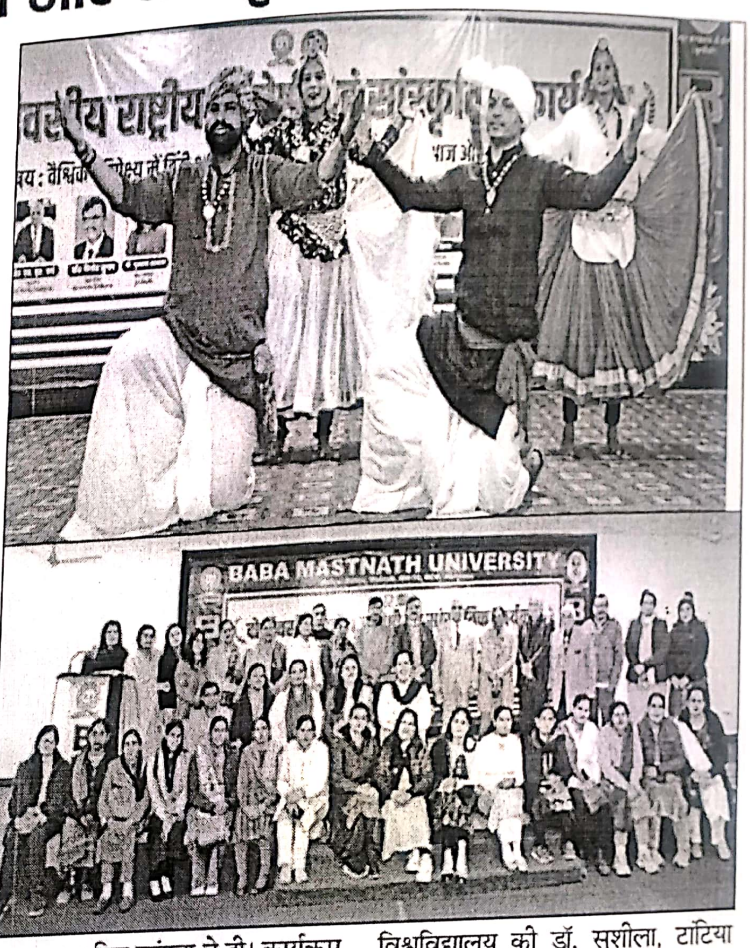

रोहतक(संजू)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस पर गुरु विद्यापीठ रोहतक के सहयोग से वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा एवं भारतीय शिक्षा पद्धति- कल, आज और कल के संदर्भ में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सिहाग व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो अरूणा अंचल ने की।

कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. (डा) एच.एल. वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण अंग है और भारतीय शिक्षा पद्धति ने विश्व में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशा प्रदान की है। हमें अपने अतीत को समझाते हुए वर्तमान में इसके महत्व को पहचानने और इसे भविष्य में और सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

कुलसचिव रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारी भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध धरोहर को उजागर करने और हिंदी भाषा की वैश्विक महत्व पर विचार करने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इन शोध-पत्रों में हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां, और इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने के उपायों पर चर्चा की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस आयोजन को जीवंत बना दिया। हरियाणवी डांस, कथक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों की प्रस्तुतियों ने न केवल भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया बल्कि उसकी विविधता और समृद्धि को भी उजागर किया। हरियाणवी डांस की प्रस्तुति प्रवीन कुमार व कथक सुमित जांगड़ा ने दी। कार्यक्रम के समापन सत्र में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके उज्जवल भविष्य की संभावनाओं पर बल दिया। कार्यक्रम का आयोजन और संचालन विश्वविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में वक्ताओं और विशेषज्ञों ने हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति की वैश्विक संदर्भ में बदलती भूमिका पर विचार साझा किए। अंत में मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बी. एम. यादव जी ने धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सी.बी.एल.यू. विश्वविद्यालय की डॉ. सुशीला, टांटिया विश्वविद्यालय के डॉ. नरेश सिहाग, डॉ. मधु और अध्यक्षता करने वाले डॉ. विश्वबंधु ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में राजस्थान की डॉ. रेखा सोनी, डॉ. रजनी और डॉ. संकेत भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अरुणा आंचल और डॉ. सुमन राठी ने किया। संगोष्ठी के पहले दिन में हिंदी भाषा और भारतीय शिक्षा पद्धति के महत्व पर गहन चर्चा की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षाविदों और विद्वानों ने भाग लिया। अवसर पर डॉ. विकास शर्मा, डॉ. यशपाल, डॉ. बाबुराम, डॉ.बबीता, डॉ.ि नशा, डॉ. शीतल, डॉ. जगदीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner